चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	13-11-25	2	7-8

The Tribune
ESTABLISHED IN 1881

BEST RESEARCH CENTRE AWARD

Hisar: The Department of Entomology, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), bagged the Best Research Centre Award presented by the ICAR's AICRP. Vice-Chancellor BR Kamboj congratulated project in-charge Dr Sunita Yadav, Co-PI Dr Manoj Kumar Jat and the department staff. Director of Research Dr Rajbir Garg highlighted the department's achievements.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13-11-24	2	1-4

हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को मिला बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व अन्य। • पीआरओ।

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर (रेगुलर) अवार्ड प्रदान किया गया। एआइसीआरपी के परियोजना समन्वयक डा. सचिन एस सुरेश व आइसीएआर की एडीजी डा. पूनम जसरोटिया ने संयुक्त रूप से अवार्ड प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस परियोजना की पीआइ डा. सुनीता यादव व को-पीआइ डा. मनोज कुमार जाट हैं। प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद व अखिल भारतीय समंवित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि इस बैठक में मधुमक्खियों एवं परागणकर्ताओं पर अनुसंधान कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर प्रतिनिधियों ने विस्तार से समीक्षा की गई।

कीट विज्ञान विभाग की उपलब्धियां : अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि गत वर्ष कीट विज्ञान विभाग ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग ने विश्व मधुमक्खी दिवस पर 250 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शहद वितरित किया गया। मधुमक्खियों एवं परागण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग में केंद्रीय उन्नत संकाय प्रशिक्षण के अंतर्गत बदलते जलवायु परिदृश्य में कीट प्रबंधन विषय पर 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। जिसमें देशभर से वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। साथ ही विभाग ने एक आकर्षक मधुमक्खी पालन संग्रहालय की स्थापना की। यह संग्रहालय शोधार्थियों, किसानों एवं आगंतुकों के लिए एक ज्ञानवर्धक आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसके अतिरिक्त किसानों की कीट प्रबंधन में सहायता के लिए फूड फ्लाई ट्रैप विभाग तैयार किए जाते हैं। यह विक्रय के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिससे फलों एवं सब्जियों में लगने वाले फल मक्खी के नियंत्रण में व्यावहारिक सहायता मिल रही है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13-11.25	5	5-6

कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर अवॉर्ड

वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया

भास्कर न्यूज | हिसार

वीसी प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व अन्य।

एचएयू के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर रेगुलर अवॉर्ड प्रदान किया गया। एआईसीआरपी के परियोजना समन्वयक डॉ. सचिन एस सुरोश व आईसीएआर की एडीजी डॉ. पूनम जसरोटिया ने संयुक्त रूप से अवार्ड प्रदान किया। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस परियोजना की पीआई डॉ. सुनीता यादव और को-पीआई डॉ. मनोज कुमार जाट हैं।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में एचएयू के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर अवॉर्ड से नवाजा गया। बैठक में मधुमक्खियों एवं परागणकर्ताओं पर अनुसंधान कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार से समीक्षा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गत वर्ष कीट विज्ञान विभाग ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस पर 250 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शहद वितरित किया गया। मधुमक्खियों एवं परागण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग में केन्द्रीय उन्नत संकाय प्रशिक्षण सीएएफटी के अंतर्गत 'बदलते जलवायु परिदृश्य में कीट प्रबंधन' विषय पर 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13.11.25	4	1-2

हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को मिला बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व अन्य

हिसार, 12 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर (रेगुलर) अवार्ड प्रदान किया गया। ए.आई.सी.आर.पी. के परियोजना समन्वयक डॉ. सचिन एस सुरेश व आई.सी.ए.आर. की ए.डी.जी. डॉ. पूनम जसरोटिया ने संयुक्त रूप से अवार्ड प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस परियोजना की पी.आई. डॉ. सुनीता यादव और को-पी.आई. डॉ. मनोज कुमार हैं।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड से नवाजा गया।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में मधुमक्खियों एवं परागणकर्ताओं पर अनुसंधान कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	13-11-25	9	6-8

मधुमक्खी दिवस पर विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित, बांटा शहद

■ मधुमक्खियों एवं परागण के महत्व पर डाला विस्तार से प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो . बीआर काम्बोज के साथ कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व अन्य। फोटो हरिभूमि

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गत वर्ष कीट विज्ञान विभाग ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस पर 250 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शहद वितरित किया गया तथा मधुमक्खियों एवं परागण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग में केन्द्रीय उन्नत संकाय प्रशिक्षण (सीएएफटी) के अंतर्गत 'बदलते जलवायु परिदृश्य में कीट प्रबंधन' विषय पर 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13.11.25	5	4-5

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व अन्य।

हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को मिला बैस्ट रिसर्च सैंटर अवार्ड

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

हिसार, 12 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर (रेगुलर) अवार्ड प्रदान किया गया। एआईसीआरपी के परियोजना समन्वयक डॉ. सचिन एस सुरोश व आईसीएआर की एडीजी डॉ. पूनम जसरोटिया ने संयुक्त रूप से अवार्ड प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस परियोजना की पीआई डॉ. सुनीता यादव और को-पीआई डॉ. मनोज कुमार जाट हैं।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि इस बैठक में मधुमक्खियों एवं परागणकर्ताओं पर अनुसंधान कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार से समीक्षा की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13-11-25	2	7-8

हकृवि को मिला बेस्ट रिसर्च सेंटर अवॉर्ड

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को एआईसीआरपी की वार्षिक बैठक में बेस्ट रिसर्च सेंटर (रेगुलर) अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड परियोजना समन्वयक डॉ. सचिन एस. सुरेश और आईसीएआर की एडीजी डॉ. पूनम जसरोटिया ने प्रदान किया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने विभाग के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में देशभर के 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि विभाग ने हाल के वर्षों में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं जिनमें 'बदलते जलवायु परिदृश्य में कीट प्रबंधन' पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, मधुमक्खी पालन संग्रहालय की स्थापना और फूड फ्लाई ट्रैप का विकास शामिल है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव भी उपस्थित रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	12.11.2025		

हकृवि के कीट विभाग को मिला बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक व अन्य

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर (रेगुलर) अवार्ड प्रदान किया गया। एआईसीआरपी के परियोजना समन्वयक डॉ. सचिन एस सुरेश व आईसीएआर की एडीजी डॉ. पूनम जसरोटिया ने संयुक्त रूप से अवार्ड प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस परियोजना की पीआई डॉ. सुनीता यादव और को-पीआई डॉ. मनोज कुमार जाट हैं।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि इस बैठक में मधुमक्खियों एवं परागणकर्ताओं पर अनुसंधान कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार से समीक्षा की गई।

कीट विज्ञान विभाग की उपलब्धियां : अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गत वर्ष कीट विज्ञान विभाग ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस पर 250 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शहद वितरित किया गया तथा मधुमक्खियों एवं परागण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग में केन्द्रीय उन्नत संकाय प्रशिक्षण (सीएएफटी) के अंतर्गत 'बदलते जलवायु परिदृश्य में कीट प्रबंधन' विषय पर 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। साथ ही, विभाग द्वारा एक आकर्षक मधुमक्खी पालन संग्रहालय की स्थापना की गई। यह संग्रहालय शोधार्थियों, किसानों एवं आगंतुकों के लिए एक ज्ञानवर्धक आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसके अतिरिक्त, किसानों की कीट प्रबंधन में सहायता हेतु फ्रूट फ्लाई ट्रैप विभाग द्वारा तैयार किए जाते हैं और विक्रय हेतु उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे फलों एवं सब्जियों में लगने वाले फल मक्खी के नियंत्रण में व्यावहारिक सहायता मिल रही है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	12.11.2025		

हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को मिला बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार, । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर (रेगुलर) अवार्ड प्रदान किया गया। एआईसीआरपी के परियोजना समन्वयक डॉ. सचिन एस सुरेश व आईसीएआर की एडीजी डॉ. पूनम जसरोटिया ने संयुक्त रूप से अवार्ड प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस परियोजना की पीआई डॉ. सुनीता यादव और को-पीआई डॉ. मनोज कुमार जाट हैं।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि इस बैठक में मधुमक्खियों एवं परागणकर्ताओं पर अनुसंधान कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार से समीक्षा की गई।

कीट विज्ञान विभाग की उपलब्धियां अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गत वर्ष कीट विज्ञान विभाग ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस पर 250 से अधिक विद्यार्थियों को निशुल्क शहद वितरित किया गया तथा मधुमक्खियों एवं परागण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग में केन्द्रीय उन्नत संकाय प्रशिक्षण (सीएएफटी) के अंतर्गत 'बदलते जलवायु परिदृश्य में कीट प्रबंधन' विषय पर 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। साथ ही, विभाग द्वारा एक आकर्षक मधुमक्खी पालन संग्रहालय की स्थापना की गई।

यह संग्रहालय शोधार्थियों, किसानों एवं आगंतुकों के लिए एक ज्ञानवर्धक आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसके अतिरिक्त, किसानों की कीट प्रबंधन में सहायता हेतु फ्रूड फ्लाई ट्रैप विभाग द्वारा तैयार किए जाते हैं और विक्रय हेतु उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे फलों एवं सब्जियों में लगने वाले फल मक्खी के नियंत्रण में व्यावहारिक सहायता मिल रही है।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	12.11.2025		

हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को मिला बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड

हिसार 12 नवम्बर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर (रेगुलर) अवार्ड प्रदान किया गया। एआईसीआरपी के परियोजना समन्वयक डॉ. सचिन एस सुरेश व आईसीएआर की एडीजी डॉ. पूनम जसरोटिया ने संयुक्त रूप से अवार्ड प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। इस परियोजना की पीआई डॉ. सुनीता यादव और को-पीआई डॉ. मनोज कुमार जाट हैं। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न 26 केंद्रों से 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हकृवि के कीट विज्ञान विभाग को बेस्ट रिसर्च सेंटर अवार्ड से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि इस बैठक में मधुमक्खियों एवं परागणकर्ताओं पर अनुसंधान कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार से समीक्षा की गई।

कीट विज्ञान विभाग की उपलब्धियां

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गत वर्ष कीट विज्ञान विभाग ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस पर 250 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शहद वितरित किया गया तथा मधुमक्खियों एवं परागण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग में केन्द्रीय उन्नत संकाय प्रशिक्षण (सीएएफटी) के अंतर्गत 'बदलते जलवायु परिदृश्य में कीट प्रबंधन' विषय पर 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। साथ ही, विभाग

द्वारा एक आकर्षक मधुमक्खी पालन संग्रहालय की स्थापना की गई। यह संग्रहालय शोधार्थियों, किसानों एवं आगंतुकों के लिए एक ज्ञानवर्धक आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसके अतिरिक्त, किसानों को कीट प्रबंधन में सहायता हेतु फ्रूट फ्लाई ट्रैप विभाग द्वारा तैयार किए जाते हैं और विक्रय हेतु उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे फलों एवं सब्जियों में लगने वाले फल मक्खी के नियंत्रण में व्यावहारिक सहायता मिल रही है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	13-11.25	4	1-4

दैनिक भास्कर

चारा फसल हल्के बीजों वाली किस्मों का बीज 30 किग्रा व भारी वाली का 40 किग्रा प्रति एकड़ डालें

हरे चारे के लिए स्वादिष्ट, पाचनशील व पौष्टिकता से भरपूर है जई, पूरे नवंबर में कर सकते हैं बिजाई

डॉ. सतपाल
चारा अनुभाग, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

यशपाल सिंह . हिसार | जई रबी मौसम की महत्वपूर्ण चारा फसल है। इसकी खेती सिंचित व कम सिंचाई वाले क्षेत्रों में की जा सकती है। इसका चारा स्वादिष्ट, पौष्टिक व पाचनशील होता है। हरे चारे में 10-12% प्रोटीन, 18-23% शुष्क पदार्थ और 55-60% पाचनशीलता होती है। एक कटाई देने वाली किस्मों से 200 से 220 क्विंटल प्रति एकड़ व अधिक कटाई देने वाली किस्मों से 230 से 260 क्विंटल प्रति एकड़ हरा चारा प्राप्त हो जाता है। चारे को बरसीम या गेहूं के भूसे के साथ मिलाकर पशुओं को खिलाया जाता है। जई की अधिक पैदावार लेने के लिए उन्नत किस्मों के साथ-साथ सस्य क्रियाओं पर ध्यान देना होगा।

रेतीली-दोमट मिट्टी होती है उपयुक्त

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इसकी सफल खेती के लिए रेतीली-दोमट भूमि सबसे उपयुक्त होती है। यह लूणी व सेम वाली भूमियों में नहीं उगाई जा सकती। जई की ओएस 6, ओएस 7, ओएस 403, एचएफओ 607 व एचएफओ 906 एक कटाई वाली उन्नत किस्में समस्त हरियाणा के जई उगाने वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। एचएफओ 114 अनेक कटाई देने वाली किस्म है जो जल्दी-जल्दी बढ़ती है।

नमी वाले क्षेत्र में केरा, कम नमी वाले में पोरा विधि अपनाएं

हल्के बीजों वाली किस्मों का 30 किग्रा. और मोटे बीजों वाली किस्मों का बीज 40 किग्रा. प्रति एकड़ डालें। जई की बिजाई 22-25 सेमी चौड़ी लाइनों में उचित नमी की अवस्था में केरा विधि से और कम नमी वाली भूमि में पोरा विधि से करें। बिजाई का उचित समय पूरा नवंबर है। फसल में 16 किग्रा नाइट्रोजन 35 किलोग्राम यूरिया बिजाई के समय और 16 किग्रा. नाइट्रोजन एक महीने बाद देनी चाहिए। एक कटाई वाली जई में 12 किग्रा फास्फोरस और ज्यादा कटाई वाली जई में 16 किलो फास्फोरस प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई के समय देनी चाहिए। अधिक कटाई वाली फसल में पहली कटाई के बाद 16 किग्रा नाइट्रोजन की अतिरिक्त मात्रा डालनी चाहिए।

एजोटोबेक्टर से उपचारित करें बीज: जई के बीज को एजोटोबेक्टर से बिजाई करने से पहले उपचारित करें। इसके करने से 6-8 किलो नाइट्रोजन प्रति एकड़ की बचत होती है। उपचारित करने के लिए एक पैकेट एजोटोबेक्टर 10 किलो बीज के लिए काफी है। बिजाई से पहले की सिंचाई को मिलाकर 3-4 सिंचाई पर्याप्त होती हैं।